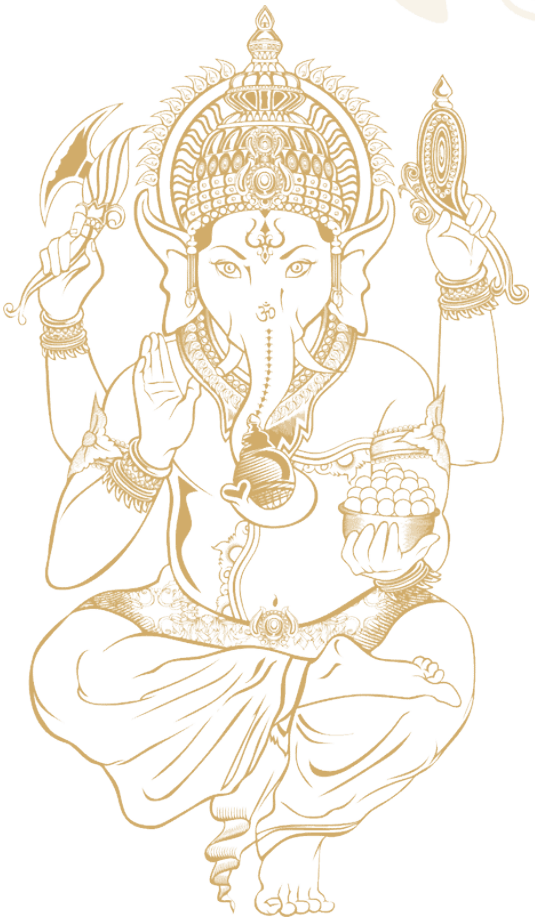

Mahesh

Shweta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121352602

पुल्लिंग :		लिंग	: स्त्रीलिंग
31/05/1996 :		जन्म तिथि	: 26/09/1999
शुक्रवार :		दिवस	: रविवार
कला 06:20:00 :		जन्म समय	: 07:30:00 कला
घटी 02:01:42 :		जन्म समय(घटी)	: 03:37:36 घटी
India :		देश	: India
Nagpur :		स्थान	: Nagpur
21:10:00 उत्तर :		अक्षांश	: 21:10:00 उत्तर
79:12:00 पूर्व :		रेखांश	: 79:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :		मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
कला -00:13:12 :		स्थानिक संस्कार	: -00:13:12 कला
कला 00:00:00 :		ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 कला
05:31:19 :		सूर्योदय	: 06:02:57
18:50:40 :		सूर्यास्त	: 18:06:11
23:48:28 :		लाहिरी अयनांश	: 23:50:58

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 14वर्ष 4मा 5दि		27:01:17	वृष	लग्न	कन्या	28:06:31	बुध 16वर्ष 6मा 11दि	
शनि		16:03:07	वृष	सूर्य	कन्या	08:41:56	शुक्र	
06/10/2010		21:22:32	तुला	चंद्र	मीन	17:02:05	07/04/2023	
06/10/2029		27:07:00	मेष	मंगळ	वृश्चि	21:24:14	07/04/2043	
शनि	09/10/2013	26:14:02	मेष	बुध	कन्या	22:09:45	शुक्र	07/08/2026
बुध	18/06/2016	22:46:41	धनु व	गुरु व	मेष	09:29:09	रवि	07/08/2027
केतु	28/07/2017	02:10:07	मिथु व	शुक्र	कर्क	28:54:29	चन्द्र	07/04/2029
शुक्र	26/09/2020	11:39:37	मीन	शनि व	मेष	22:41:48	मंगळ	07/06/2030
रवि	08/09/2021	22:04:18	कन्या व	राहु व	कर्क	17:58:59	राहु	07/06/2033
चन्द्र	10/04/2023	22:04:18	मीन व	केतु व	मक	17:58:59	गुरु	06/02/2036
मंगळ	18/05/2024	10:34:35	मक व	हर्ष व	मक	19:18:46	शनि	07/04/2039
राहु	25/03/2027	03:41:10	मक व	नेप व	मक	07:49:36	बुध	05/02/2042
गुरु	06/10/2029	07:42:05	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:17:00	केतु	07/04/2043

लग्न–चलित

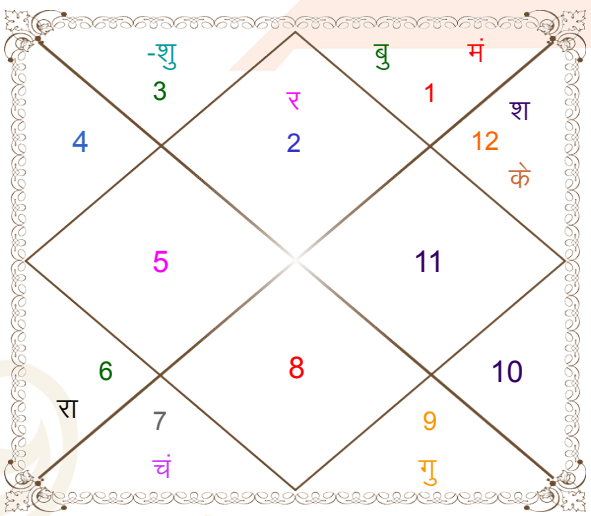

लग्न–चलित

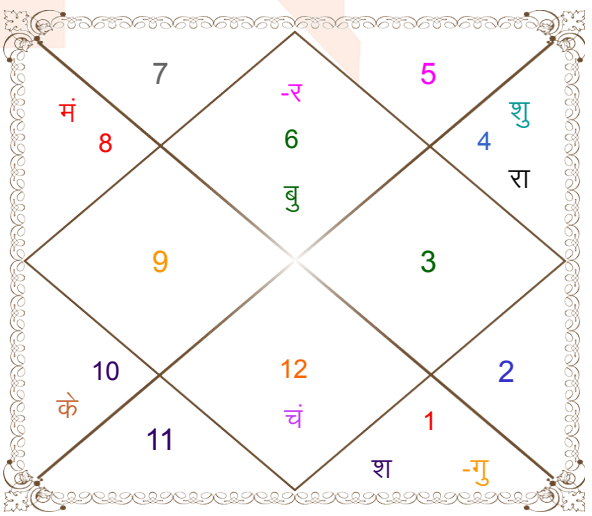

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	––	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	––	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गज	4	1.00	––	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	––	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	––	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	आह	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	आह	स्वास्थ्य/संतान
एकुण :			**36**	**5.00**		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नाहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ौमजं का नक्षत्र रेवती है।

डीमी का वर्ग सर्प है तथा ौमजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डीमी और ौमजं का मिलान ठीक नाहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डीमी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डीमी कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डीमी कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौमजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौमजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डीमी तथा ौमजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।